

18/8/22

परावली पेश दुर्ग। प्राचीन वकील ~~का~~ मरुता
- तुम्हें भूलनाद अदम पैरवी अदम कापरी जे वारीय
विद्या वा तुम्हा ही अत्र वम अलेखन को मणे
- पलाने का कोई मॉरिज्य नही ही अतः एक अलेखन
की कार्यवाही अभी सर पर समाप्त की जाती है
परावली केंद्रल शुभार लेकर वाकील ~~का~~
को / संख्या से धन को



(Signature)